पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

अक्षय की मां का रोल करने पर का पछतावा

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 219 ■ मंगलवार 25 नवंबर 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

आधी रात को शहाड़ ब्रिज पर MNS-BJP में राडा

■ पुल के उद्घाटन श्रेय में मनसे भी कूदी

उल्हासनगर. शहाड़ फ्लाईओवर के उद्घाटन के लिए रविवार आधी रात को MNS और BJP न सिर्फ आमने-सामने आए, बल्कि पुल पर जंग का मैदान बना दिया गया. दोनों पार्टियों के पदाधिकारियों के बीच धक्का-मुक्की और चिल्लाहट को देखकर लग रहा था कि एक पल के लिए हालात हाथ से निकल रहे थे। आखिरकार, उल्हासनगर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस ब्रांच ने समय रहते दखल देकर तनाव कम किया और कॉन्ट्रैक्टर से बातचीत के बाद शहाड़ फ्लाईओवर को आधी रात से ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया।

उल्हासनगर शहर से गुजरने वाले स्टेट हाईवे पर शहाड़ फ्लाईओवर के उद्घाटन को लेकर पॉलिटिकल टकराव रविवार आधी रात को अपने चरम पर पहुंच गया। माहौल तब गरमा गया जब MNS के पदाधिकारियों ने आधी रात को अपना उद्घाटन समारोह करके क्रेडिट लेने की कोशिश की। उसी समय, BJP के जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया और सैकड़ों पदाधिकारी अचानक ब्रिज पर पहुंच गए, जिससे दोनों पार्टियां आमने-सामने आ गईं। देखते ही देखते माहौल आक्रामक हो गया और बहस हद पार कर गई। भारी धक्का-मुक्की, नारेबाज़ी और गाली-गलौज से शहाड़ फ्लाईओवर पर तनाव का ऐसा माहौल बन गया जैसा पहले कभी नहीं हुआ। राजनीतिक टकराव ने सचमुच आधी रात को ब्रिज पर यात्रियों के लिए 'ट्रैफिक जाम' की स्थिति पैदा कर दी थी।

इससे पहले कि स्थिति हाथ से निकलती, उल्हासनगर पुलिस और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट तुरंत पहुंचे और बीच-बचाव किया। दोनों पार्टियों के पदाधिकारियों को एक तरफ ले जाया गया और पुलिस ने कॉन्ट्रैक्टर से ज़रूरी बातचीत की। आखिर में, लोगों को होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए, शहाड़ फ्लाईओवर को आधी रात को ट्रैफिक के लिए खोलने का फैसला किया गया। हालांकि शहाड़ फ्लाईओवर ट्रैफिक के लिहाज से बहुत ज़रूरी है, लेकिन ज़्यादा राजनीतिक चर्चा इसके उद्घाटन पर हो रही है। रविवार को BJP और शिवसेना/TOK के दोहरे उद्घाटन के बाद, MNS की आधी रात की 'तीसरी पारी' ने क्रेडिट की लड़ाई को एक नए लेवल पर पहुंचा दिया है। हालांकि पुल आखिरकार ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया है, लेकिन लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं कि यह राजनीतिक लड़ाई इस बात का साफ इशारा है कि आने वाले चुनावों के बैकग्राउंड में शहर का माहौल कितना गर्म हो गया है।

शिंदे पिता-पुत्र को घेरने की साज़िश!

■ ठाणे ज़िले में BJP के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण का बढ़ रहा असर

कल्याण. ठाणे के साथ-साथ कल्याण-डोंबिवली को भी शिवसेना का गढ़ माना जाता है, लेकिन BJP और शिवसेना के बीच टकराव इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि BJP ने शिंदे की ही पार्टी के पुराने नगरसेवकों और पदाधिकारियों को गले लगाकर पार्टी में शामिल कर लिया है। पिछले कुछ दिनों में BJP ने शिंदे की शिवसेना समेत कई पार्टियों के 17 नगरसेवकों को अपनी ओर खींचा है। जिससे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का असर कम हुआ है? और BJP के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण का असर बढ़ा है? यही असली सवाल है।

ठाणे ज़िले में ज़्यादातर लोगों ने अपने दम पर अलग-अलग नगर पालिकाओं और निगमों में अपनी ताकत आज़माने की कोशिश की, लेकिन वे शिवसेना के सामने टिक नहीं पाए. लेकिन समय बदला है और राजनीति भी बदली है। जहाँ BJP कभी नगर परिषद या नगर निगम नहीं जीत पाती थी, वहाँ अब BJP के MLA चुने जा रहे हैं। इसलिए, ठाणे जिले में BJP को एक बड़ी पार्टी बनाने के लिए नेताा संघर्ष कर रहे हैं। 2014 के बाद, BJP की ताकत बढ़ी है और कई जगहों पर उसके MLA चुने गए हैं। अभी भी कल्याण-डोंबिवली में चार विधानसभा क्षेत्र हैं। इनमें से दो क्षेत्रों में BJP के और दो क्षेत्रों में शिवसेना के MLA हैं।

क्या शिवसेना का असर कम हुआ है?

- म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, नगर पालिका के साथ-साथ पंचायत समिति और जिला परिषद भी शिवसेना के कब्जे में थे। पहले, ठाणे जिला BJP का गढ़ माना जाता था। BJP हमेशा से शिवसेना का छोटा भाई रही है, BJP ने अक्सर इन मनपा चुनावों में डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे को ठाणे में फंसाए रखने और उन्हें अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसाने की कोशिश की है।
- इसी के तहत BJP ने चुनाव से पहले अपनी ताकत बढ़ाने के लिए पिछले 15 दिनों में अलग-अलग पार्टियों के 17 पुराने कॉर्पोरेटर को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। इसी तरह BJP ने शिंदे की शिवसेना के 6 कॉर्पोरेटर को भी अपने जाल में फंसा लिया है।
- इससे शिवसेना इस बात से नाराज है कि शिंदे की पहले वाली ताकत कम हो गई है। इन सभी घटनाक्रमों को देखते हुए यह साफ है कि BJP के रवींद्र चव्हाण का असर जरूर बढ़ा है, लेकिन क्या एकनाथ शिंदे और उनके बेटे सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का असर कम हुआ है? असली सवाल यही है।

पेपरलेस कामकाज, फैसलों में सुपरफास्ट स्पीड!

■ ई-ऑफिस से क्रांति, कमिश्नर ने की पहल

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने ई-ऑफिस की वजह से पेपरलेस कामकाज की तरफ एक सफल कदम उठाया है। इससे एडमिनिस्ट्रेटिव काम में ट्रांसपेरेंसी बढ़ रही है और फैसले तेजी से हो रहे हैं।

इसका क्रेडिट म्युनिसिपल कमिश्नर मनीषा आव्हाले को जाता है, और एडिशनल कमिश्नर किशोर गवस ने संकेत दिया कि लालफीती फाइलों का दौर कुछ समय तक जारी रहेगा।

एडिशनल कमिश्नर किशोर गवस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, नए वर्किंग सिस्टम की वजह से फाइल को एक टेबल से दूसरी टेबल पर ले जाने में होने वाली देरी पूरी तरह से बंद हो गई है। ई-ऑफिस सिस्टम में हर फाइल को एक खास नंबर दिया जाता है। इसलिए, कौन सी फाइल अभी किस टेबल पर किस डिपार्टमेंट या किस ऑफिसर के पास पेंडिंग है, उसकी सही और तुरंत जानकारी मिल जाती है। इस तरीके से म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन में ट्रांसपेरेंसी आई है। अगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन इसी तरह अपना काम जारी रखती है, तो इससे शहर की इमेज सुधारने में ही मदद मिलेगी।

सबूत हमेशा उपलब्ध

महानगरपालिका के ई-ऑफिस ने काम की स्पीड बढ़ा दी है और फाइलों को ट्रैक करना आसान बना दिया है, और फैसले लेने की प्रक्रिया तेज़ होने से नागरिकों को सिविल सेवाएं ज़्यादा तेज़ी से देना मुमकिन हो गया है। सभी रिकॉर्ड और फाइलें डिजिटल फॉर्म में सुरक्षित लेवल पर संभालकर रखी जाती हैं। इसलिए, फाइलों के चोरी होने या खोने का कोई डर नहीं है। डेटा सुरक्षित रहने से, ज़रूरी फैसलों के सबूत हमेशा उपलब्ध रहते हैं।

काम की स्पीड बढ़ी

महानगरपालिका के एडमिनिस्ट्रेशन को पेपरलेस बनाने में कमिश्नर मनीषा आव्हाले की कोशिशें अहम रहीं। अधिकारियों के मुताबिक, यह कमिश्नर की इस ज़रूरी बदलाव को लाने की पहल की वजह से ही मुमकिन हो पाया है। पेपरलेस सिस्टम की वजह से काम की स्पीड बढ़ी है और नागरिकों की शिकायतों और एप्लीकेशन का निपटारा कम समय में हो जाएगा।

रिकॉर्ड के लिए चुनिंदा फाइलें संभालकर रखी जाती हैं

हालांकि ई-ऑफिस की वजह से पेपर फाइलें रखना ज़रूरी नहीं है, लेकिन ज़रूरी सबूत और ऑफिशियल जानकारी को संभालकर रखने के लिए कुछ चुनिंदा पेपर फाइलें रखी जाती हैं। इससे भविष्य में जानकारी को वेरिफाई करना आसान हो जाता है।

अंबरनाथ के मोरीवली इलाके में BJP का शक्ति प्रदर्शन

■ वार्ड 15 में अभिजीत करंजुले और वैशाली थेटे BJP उम्मीदवार

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा नगराध्यक्षा उम्मीदवार तेजश्री करंजुले पाटिल के लिए अंबरनाथ के वार्ड नंबर 15 में अभिजीत करंजुले पाटिल का कैंपेन राउंड हुआ। इस समय, नागरिकों ने पारंपरिक अभिवादन करके उनका स्वागत किया।

अभिजीत करंजुले पाटिल अंबरनाथ के वार्ड नंबर 15 A से और वैशाली थिटे इस चुनाव में मैदान में हैं। करंजुले ने मोरीवली और आस-पास के इलाकों के लोगों की बुनियादी सुविधाओं, सड़क, पानी और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं सुनीं। इसलिए, बेशक, अंबरनाथ को सुरक्षित और शिक्षित बनाने के लिए हमें इस चुनाव में आपके समर्थन की ज़रूरत है, तेजश्री करंजुले और अभिजीत करंजुले ने नागरिकों से अपील की। इस कैंपेन राउंड में भारी भीड़ थी।

मोरीवली और आस-पास के इलाकों के बड़ी संख्या में नागरिक और कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे।

सामाजिक संगठन के पुनर्वास के लिए उल्हासनगर मनपा को निवेदन

उल्हासनगर. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत संतोषनगर (कैंप 4 ईस्ट) में मनपा द्वारा एक हाउसिंग प्रोजेक्ट बनाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में कुल 1,789 सस्ते घर मिलेंगे। हालांकि, जानकारी सामने आई है कि इस प्रोजेक्ट के लागू होने के दौरान कुछ स्थानीय परिवारों के प्रभावित होने की संभावना है। इसके बाद, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस बारे में चिंता जताई है। 'एक हात मदतीचा' सामाजिक संगठन के संस्थापक अध्यक्ष विजय कदम ने इस बारे में मनपा आयुक्त और सिटी इंजीनियर को एक पत्र दिया है। विजय कदम ने पत्र में कहा है कि राज्य सरकार और मनपा को ज़िम्मेदारी से एक बैठक करनी चाहिए और उन परिवारों से चर्चा करनी चाहिए और एक सही समाधान निकालना चाहिए. कदम ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के बारे में पूरी जानकारी अभी तक नागरिकों को साफ़ तौर पर नहीं दी गई है। प्रोजेक्ट के सभी पहलुओं, प्रोजेक्ट के दायरे, पुनर्वास प्रक्रिया, लाभार्थियों की योग्यता और हाउसिंग सिस्टम में बदलावों के बारे में तुरंत पारदर्शी जानकारी देने की ज़रूरत है। इसके साथ ही, अभी राजनीतिक क्रेडिट की लड़ाई भी चल रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा है कि क्रेडिट की इस लड़ाई में प्रोजेक्ट का नुकसान या किसी भी परिवार का भविष्य खतरे में नहीं पड़ना चाहिए।

स्कॉलरशिप फंड के गबन का गंभीर मामला

एट्रोसिटी का केस दर्ज करने की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ तालुका के जावसाई में एक ज़िला परिषद स्कूल से आदिवासी स्टूडेंट्स के स्कॉलरशिप फंड के गबन का गंभीर मामला सामने आने के बाद, महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना ने न सिर्फ़ दोषियों को सस्पेंड करने की मांग की, बल्कि एट्रोसिटी एक्ट के तहत सख्त केस दर्ज करने की भी मांग की। MNS के इस ज़बरदस्त विरोध के दबाव में, ठाणे ज़िला परिषद ने आखिरकार 25 नवंबर से पहले एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बारे में लिखकर आखिरी फैसला देने का वादा किया है। इस मामले में दोषी टीचर अरुण वानी को पहले ही सस्पेंड किया जा चुका है।

MNS का यह विरोध शुक्रवार को MNS विद्यार्थी सेना के जयेश केवाने की लीडरशिप में पीड़ित पेरेंट्स के साथ ज़िला परिषद हेडक्वार्टर पर शुरू किया गया।

MNS अपने इस स्टैंड पर अड़ी हुई है कि स्टूडेंट्स के बकाया पैसे का गबन एक घिनौना जुर्म है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाना चाहिए। जिला परिषद ठाणे के डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर से बातचीत के बाद प्रशासन ने न सिर्फ एट्रोसिटी क्राइम को लेकर ज़रूरी कदम उठाने का वादा किया है, बल्कि बकाया स्कॉलरशिप की रकम तुरंत जमा करने, रिश्वत मामले के आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने और अंबरनाथ में बिना इजाज़त चल रहे स्कूलों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने का भी वादा किया है। हालांकि, अगर किए गए वादों में कोई देरी हुई तो MNS विद्यार्थी सेना ने आखिरी चेतावनी भी दी है कि अगर किए गए वादों में कोई देरी हुई तो MNS विद्यार्थी सेना एक बड़ा विरोध आंदोलन करेगी।

महिला टॉयलेट की दयनीय हालत

टूटे दरवाज़े, टूटे स्लैब से महिलाएं परेशान

उल्हासनगर. सार्वजनिक महिला टॉयलेट की हालत इतनी खराब हो गई है कि टूटे दरवाज़े, टूटे स्लैब, असहनीय बदबू, बदबू वगैरह की वजह से महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

उल्हासनगर शहर में सार्वजनिक महिला टॉयलेट की हालत बहुत खराब है। मनपा की लापरवाही ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को खतरे में डाल दिया है। कैंप 2 में कीर्ति पथ पर धोबीघाट के सामने टॉयलेट, संभाजीनगर में स्वामी विवेकानंद स्कूल के पास टॉयलेट और नामदेव खंडागले की दुकान के सामने महिला टॉयलेट, तीनों जगहों पर यह हालत सामने आई है। स्थानीय महिलाओं की शिकायत के मुताबिक, टॉयलेट के दरवाज़े टूटे हुए हैं और अंदर गंदगी और बदबू से महिलाओं को परेशानी हो रही है। सीवेज का सही मैनेजमेंट न होने की वजह से फर्श लगातार गीला और फिसलन भरा हो रहा है। कई टॉयलेट में स्लैब इतने कमज़ोर हो गए हैं कि महिलाओं को स्लैब गिरने और एक्सीडेंट का डर रहता है।

नागरिकों का कहना है कि यह हालत महीनों, दिन नहीं, बल्कि महीनों से है, लेकिन म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ़ से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय महिलाओं और नागरिकों ने स्थानीय MNS नेता और समाजसेवी योगीराज देशमुख के साथ मिलकर ज़रूरी मरम्मत, सफ़ाई और सुरक्षा के उपाय तुरंत करने की मांग की है.

शिवसेना-कांग्रेस के पूर्व नगरसेवकों में धक्कामुक्की

■ दोनों पुलिस स्टेशन पहुंचे
■ प्रचार मंडप को लेकर विवाद

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव में अब गरमागरमी दिखाई देने लगी है. प्रभाग क्र. 9 उलन चाल में सोमवार शाम में शिवसेना और कांग्रेस के दो पूर्व नगरसेवकों में बांधे गए प्रचार मंडप को लेकर धक्कामुक्की होने पर दोनों पूर्व नगरसेवक सुनिल सोनी जो प्रभाग क्र. 9 ब के उम्मीदवार भी है एवं कांग्रेस के पूर्व नगरसेवक मिलिंद पाटिल जिनकी पत्नी तेजस्विनी पाटिल प्रभाग 9 से ही कांग्रेस की उम्मीदवार हैं. दोनों अंबरनाथ पुलिस स्टेशन अपने समर्थकों के साथ पहुंचे. दोनों एक-दूसरे के खिलाफ अपराध लिखाने पर अडे रहे. प्रभाग क्र. 9 में पनवेलकर गार्डन के सामने कांग्रेस ने प्रचार के लिए मंडप लगाया है. ये मंडप नपा की बिना अनुमति के लगाया गया है. ऐसी शिकायत शिवसेना के सुनिल सोनी ने अंबरनाथ नगर परिषद से की. नपा एवं आचार संहिता के लोग मंडप की जांच करने पहुंचे. उस समय सुनिल सोनी एवं मिलिंद पाटिल दोनों ही मौजूद थे. दोनों में झटापटी हो गई. मिलिंद ने मुझे ईंट फेंककर मारा है. ऐसा सुनिल सोनी का कहना है तो मिलिंद का कहना है कि मैं नपा के लोगों को मंडप की अनुमति बता रहा था तो सुनिल ने उन्हें धक्का दिया है. रात गए तक दोनों ही एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए बैठे थे. प्रभाग क्र. 9 पनवेलकर गार्ड, उलन चाल में चुनावी माहौल एकदम गरमा गया है. पुलिस भी सतर्क हो गई है.

कल्याण. कल्याण पूर्व के डी वार्ड क्षेत्र में सड़क पर कचरा फेंकने वाले नागरिकों पर मनपा प्रशासन ने दंडात्मक कार्रवाई तेज कर दी है. नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 3,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा.

उल्हासनगर की वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ी

मनसे नेता का आरोप - 17 से 21 नवंबर के बीच 64 नए नाम जोड़े

उल्हासनगर. राज्य चुनाव आयोग ने राज्य के 29 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनावों के लिए वोटर लिस्ट तैयार करने का प्रोग्राम जाहिर किया है। इन चुनावों के लिए वोटर लिस्ट को तैयार करने की तारीख 1 जुलाई, 2025 थी। लेकिन, यह बात सामने आई है कि उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हुई है। कल, चुनाव आयोग ने राज्य के सभी 29 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट घोषित की। जिसमें उल्हासनगर महानगरपालिका की वोटर लिस्ट का भी समावेश है। मनसे नेता सचिन कदम को इस लिस्ट में बड़ी गड़बड़ियां देखने को मिली हैं। उनके मुताबिक मनपा चुनावों के लिए सिर्फ 1 जुलाई, 2025 तक की वोटर लिस्ट को ही एक्सेप्ट किया जाना था। हालांकि, पता चला है कि उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की वोटर लिस्ट में 17 नवंबर को कुछ नए नाम जोड़े गए थे। 17 नवंबर से 21 नवंबर के बीच वोटर लिस्ट में कुल 64 नए वोटर जोड़े गए हैं। जबकि 1 जुलाई तक की लिस्ट ही मानी गई थी, यह बात सामने आई है कि 17 नवंबर को अप्लाई करने वाले एक व्यक्ति का नाम भी वोटर लिस्ट में पहले से शामिल था। दिलचस्प बात यह है कि 17 तारीख को अप्लाई करने के बाद 18 तारीख को ही BLO अपॉइंट कर दिया गया और उसी दिन तुरंत एप्लीकेशन वेरिफाई भी कर दिया गया। वार्ड नंबर 13 में पूरी वोटर लिस्ट चेक करने के बाद भी यह साफ हो गया है कि 17 से 21 नवंबर के बीच 64 नए नाम जोड़े गए थे। इस मामले में MNS नेता सचिन कदम ने चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाए हैं और सीधे पूछा है कि नए वोटर लिस्ट में कैसे शामिल किए गए।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

विद्यार्थियों की बेबसी कौन सुने?

पढ़ाई और परीक्षा के दबाव की वजह से विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं पहले ही चिंता का विषय बनी हुई थीं। मगर हाल के दिनों में स्कूल में अपने साथ हुए बर्ताव से आहत होकर कुछ विद्यार्थियों के आत्महत्या कर लेने की खबरें बेहद परेशान करने वाली हैं। पिछले हफ्ते दिल्ली में दसवीं कक्षा के एक छात्र और मध्य प्रदेश के रीवा में ग्यारहवीं की छात्रा ने खुदकुशी कर ली। उन्होंने अपने आत्महत्या नोट में बताया कि कुछ शिक्षक उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे थे।

वहीं जयपुर के स्कूल में महज नौ वर्ष की एक बच्ची पर उसके कई सहपाठी लगातार परेशान करने वाली टिप्पणियां कर रहे थे। दिल्ली के छात्र ने स्कूल के काउंसलर से अपना दुख साझा किया था, वहीं जयपुर के स्कूल की बच्ची ने भी शिक्षकों से मदद मांगी थी। मगर शिक्षकों ने इस पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा।

जबकि शिक्षकों और काउंसलरों की यह प्राथमिक जिम्मेदारी होती है कि वे किसी भी तरह की परेशानी का सामना कर रहे बच्चों की हर स्तर पर मदद करें। विडंबना यह है कि अपनी जिम्मेदारी का अहसास किए बिना कुछ शिक्षक बच्चों के साथ ऐसा बर्ताव करते हैं कि कई बच्चे तनाव और अवसाद की हालत में चले जाते हैं।

ऐसे नाजुक समय में अगर समय पर बच्चों को मनोवैज्ञानिक सहायता मुहैया नहीं कराई जाती है, तो इसका परिणाम कई बार दुखद होता है। सवाल है कि जो शिक्षक बच्चों की मुश्किलों की पहचान समय पर नहीं कर पाते, मदद करने के बजाय उनके प्रति सख्त व्यवहार करते हैं, उनका प्रशिक्षण किस रूप में हुआ होता है। अगर कोई बच्चा स्कूल में हुए व्यवहार की वजह से आखिरकार जीने का हौसला खो देता है, तो ऐसे माहौल के लिए कौन जिम्मेदार है? स्कूलों के साथ-साथ घर-परिवार में भी यह विचार करने की जरूरत है कि बच्चों को किसी भी वजह से उपजे तनाव या दबाव का सामना करने को लेकर कैसे प्रशिक्षित किया जाए।

स्कूलों में अपने साथ शिक्षकों या अन्य सहपाठियों के बर्ताव की वजह से बच्चों की आत्महत्या की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। इसके हल के लिए सरकार, समाज और स्कूल प्रबंधनों को तुरंत विचार करना चाहिए। स्कूल परिसर को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के अनुकूल बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए।

आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधार

कई दशकों तक भारत कमजोर आर्थिक विकास, भ्रष्टाचार और रोजगार सृजन एवं श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में भरोसा तोड़ा। इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में बड़ा बदलाव जरूरी था। तब लाल किले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'श्रमेव जयते' का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह एक नारा ही नहीं था, बल्कि एक नए राष्ट्रीय सोच का आरंभ था, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया।

भारत के अधिकांश श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक दिखती थी। जबकि दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। गिग और प्लेटफार्म आर्थिकी का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे, लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे, क्योंकि वे अच्छे थे। वे इसलिए बने रहे, क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का

राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूरदृष्टि की कमी थी। ऐसी राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए मोदी सरकार ने भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पूर्व के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गई हैं। वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता। 21 नवंबर से ये संहिताएं लागू भी हो गईं। ये संहिताएं एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं, जो श्रमिक-हितैषी और विकास समर्थक हैं। यह दर्शाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है। सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी पड़ चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। श्रमिकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद में यही सामने आया कि कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता श्रम संहिता के मूल में होनी चाहिए। इसी मार्गदर्शक सिद्धांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है। इस सुधार ने पूर्व के जटिल और छितरे हुए तंत्र को ऐसे सिस्टम से बदल दिया है जो सरल, पारदर्शी और हर श्रमिक की सुरक्षा करने वाला है।

श्रम संहिताएं अपने मूल स्वरूप में नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं आडियो-विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफार्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआइसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं। 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं। इनमें वे बागान श्रमिक भी शामिल हैं, जो पहले इसके दायरे में नहीं आते थे। ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रविधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कांट्रैक्ट आधारित रोजगार के एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एंप्लायमेंट (एफटीई) यानी निश्चित अवधि के रोजगार की शुरुआत की गई है। एफटीई के तहत एक निश्चित अवधि के लिए नियोजित श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों के समान ही वेतन, लाभ और काम करने की स्थितियां प्राप्त होती हैं, जिनमें सवेतन अवकाश, काम के तय घंटे, चिकित्सा सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वैधानिक सुरक्षाएं शामिल हैं। विशेष रूप से एफटीई कर्मचारी केवल एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी के लिए पात्र हो जाते हैं। संहिताएं आधुनिक कार्यस्थलों की वास्तविकताओं को भी स्वीकार करती हैं। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से मानक घंटों से अधिक काम करना चुनता है तो उसे ओवरटाइम के लिए नार्मल सैलरी रेट से दोगुना पैसा मिलना चाहिए, जिससे हर परिस्थिति में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

रोज़ाना ध्यानाभ्यास में समय बिताने से हम अपनी आत्मा की शक्ति को खोज लेंगे, तथा अपने जीवन को विवेक, अमरता, प्रेम, निडरता, संबद्धता, और आनंद से भरपूर कर लेंगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हवा में कैसी है भारत की रक्षा तैयारी?

भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर युद्ध के जो नए आयाम उभर कर सामने आ रहे हैं, उस लिहाज से रक्षा साजो-सामान का अपने देश में निर्माण और उनका उन्नयन बेहद जरूरी हो गया है। स्वदेशी एवं बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान तेजस का निर्माण भारत की इसी सोच और इच्छाशक्ति का परिणाम है। इसे देश की रक्षा तकनीक की ताकत का प्रतीक भी माना जाता है।

मगर भारतीय वायुसेना में शामिल इस विमान का दुबई में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार को हादसे का शिकार हो जाने की घटना ने रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता की राह में चिंता की लकीरें खींच दी हैं। इस हादसे को इसलिए भी चिंताजनक दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि दो वर्ष के इतिहास में यह दूसरी बार है जब तेजस दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। इससे पहले मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर में भारतीय सेनाओं के एक त्रि-सेवा अभ्यास के दौरान यह लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। तब शुरुआती जांच में विमान के इंजन में तकनीकी खराबी की ओर इशारा किया गया था।

जहां तक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की बात है तो भारत पिछले कुछ वर्षों से स्वदेशी रक्षा उत्पादन के मामले में एक

नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। देश में आत्मनिर्भरता एक मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है, जिसने स्थानीय डिजाइन, विकास और विनिर्माण को प्राथमिकता देने वाली नीतियों को प्रेरित किया है। सरकारी सुधारों, रणनीतिक निवेश और औद्योगिक साझेदारियों ने नवाचार को बढ़ावा देकर घरेलू रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है।

भारत ने स्वदेशी रक्षा प्रणाली आकाशतीर, ब्रह्मोस मिसाइल और लड़ाकू विमान तेजस जैसे रक्षा उपकरणों को तैयार कर दुनिया को अपनी तकनीक एवं उसकी शक्ति का परिचय दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश की इस आधुनिक रक्षा प्रणाली ने अपनी क्षमता को बखूबी दर्ज किया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत का रक्षा निर्यात वर्ष 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपए हो गया है। यह तस्वीर आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी रक्षा उद्योग के लिए देश के निरंतर एवं गहन प्रयासों को रेखांकित करती है।

करीब दो दशक के विकास और परीक्षण के बाद लड़ाकू विमान तेजस को बेहद सुरक्षित माना जाता रहा है। इसका निर्माण वर्ष 2007 में शुरू हुआ था और जुलाई 2016 में भारतीय वायुसेना ने तेजस का पहला बेड़ा बनाया। हल्के किस्म के इस विमान का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड ने किया है। इसका ढांचा कार्बन फाइबर से बना हुआ है, जो इसे धातु की तुलना में बहुत हल्का और मजबूत बनाता है।

इसके भीतर सेंसर तरंग रडार लगा है, जो दुश्मन के विमान से लेकर जमीन से हवा में दागी गई मिसाइल का भी पता लगा सकता है। यानी यह दुश्मन से खुद की सुरक्षा करने में भी सक्षम है।

तेजस एमके-1 का उन्नत संस्करण भी जल्द तैयार होने वाला है, जो हवा से हवा में और हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों तथा एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 से लैस होगा। ऐसे में तेजस की उन तकनीकी कमियों का पूरी सटीकता से पता लगाना और उन्हें दुरुस्त करना बेहद जरूरी है, जो दो बार हादसों का कारण बनी हैं। तभी यह विमान पूरी तरह सुरक्षित एवं मजबूत रक्षा ढाल बन पाएगा।

सफेद शहर, दूध-सी सफेदी देख चौंधिया जाएगी नजर!

जरा हट के

भारत का जयपुर पूरी दुनिया में "पिंक सिटी" के नाम से मशहूर है. 1876 में महाराजा राम सिंह ने महारानी विक्टोरिया के स्वागत में पूरा शहर गुलाबी रंग से रंगवा दिया था. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा शहर भी है जहां हर इमारत, हर सड़क, हर फुटपाथ, यहां तक कि बस स्टॉप और लैंप पोस्ट तक दूध जैसे सफेद हैं?

जी हां, हम बात कर रहे हैं तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात की, जिसे "व्हाइट मार्बल सिटी" या "सफेद शहर" भी कहा जाता है. सूरज निकलते ही पूरा शहर चमकने लगता है. इतनी सफेदी है कि धूप में बिना काले चश्मे के 5 मिनट भी नहीं टिका जा सकता. विदेशी पर्यटक बताते हैं कि जब वो यहां पहली बार आते हैं ऐसा लगता है जैसे किसी ने पूरा शहर मार्बल की चादर से ढक दिया हो. इस शहर में आंखें चौंधिया जाती है. खास बात ये है कि यहां सिर्फ सफेद रंग की गाड़ियां ही चलाने की

इजाजत है. काली, लाल, नीली, हरी– कोई भी दूसरी गाड़ी सड़क पर दिखी तो तुरंत पुलिस पकड़ लेती है और मोटा जुर्माना ठोक देती है.

रूलर का है फेवरिट रंग

2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति गुरबंगुली बेर्दिमुहामेदोव ने साफ आदेश दिया था कि राजधानी में सिर्फ सफेद गाड़ियां ही चलेंगी. लाखों लोग रातों-रात अपनी गाड़ियां सफेद रंग करवाने कोशिश करने लगे. आखिर सफ़ेद रंग को लेकर इतना जूनून क्यों? आपको बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति गुरबंगुली बेर्दिमुहामेदोव पहले डेंटिस्ट थे. लोग मज़ाक में कहते हैं कि डेंटिस्ट को दांत सफेद रखने का शौक था, राष्ट्रपति बन गए तो पूरा शहर ही सफेद कर दिया. उन्होंने 2000 के बाद से अश्गाबात को पूरी तरह बदल दिया. पुरानी सोवियत स्टाइल इमारतें तोड़ दीं और उनकी जगह सफेद मार्बल की चमचमाती बिल्डिंग्स खड़ी कर दी गई. शहर में आज 550 से ज्यादा इमारतें सफेद मार्बल से बनी हैं. दुनिया में सबसे ज्यादा सफेद मार्बल का इस्तेमाल यहीं हुआ है. इस वजह से शहर का नाम गिनीज़ बुक में भी दर्ज है.

बिना अंडे की मेयोनीज

■ सामग्री

दूध : 1/4 कप – यह उबालकर ठंडा किया हुआ होना चाहिए, लेकिन मलाई रहित

तेल: 1 कप – यह बिना महक वाला तेल होना चाहिए, जैसे सूरजमुखी या रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल

चीनी: 1 छोटा चम्मच

नमक: स्वादानुसार

विनेगर या नींबू का रस: 1 बड़ा चम्मच –

लहसुन (ऑप्शनल) : 2-3 कलियां

■ बनाने की विधि

मेयोनीज बनाने का प्रोसेस बहुत ही सिंपल है और इसमें सिर्फ 5 मिनट लगते हैं। इसके लिए आप एक हैंड ब्लेंडर या मिक्सर ग्राइंडर का इस्तेमाल कर सकते हैं: सबसे पहले एक ब्लेंडर जार में ठंडा दूध, चीनी, नमक, विनेगर/नींबू का रस और लहसुन (अगर इस्तेमाल कर रहे हैं) डालें। जार को बंद करके केवल 30 सेकंड के लिए ब्लेंड करें, ताकि सभी सामग्री अच्छी तरह मिक्स हो जाए। अब ढक्कन हटाएं और ब्लेंडर को चालू रखें। ऊपर से धीरे-धीरे (बूंद-बूंद करके

या बहुत पतली धार में) तेल डालना शुरू करें। यह सबसे जरूरी स्टेप है। जैसे-जैसे आप तेल डालते जाएंगे, आप देखेंगे कि मिश्रण गाढ़ा होना शुरू हो गया है और मेयोनीज जैसा रूप ले रहा है। तेल को तब तक डालते रहें जब तक कि मेयोनीज पूरी तरह से गाढ़ी और क्रीमी न हो जाए। इसमें 3 से 5 मिनट लग सकते हैं।

■ स्पेशल टिप्स

मेयोनीज बनाने के लिए सभी सामग्री ठंडी होनी चाहिए। दूध और तेल दोनों को फ्रिज में ठंडा करके इस्तेमाल करें। तेल को हमेशा धीरे-धीरे और लगातार धार में डालें। अगर आप एक बार में ज्यादा तेल डाल देंगे, तो मेयोनीज गाढ़ी नहीं हो पाएगी। आप इस मेयोनीज को एक एयर-टाइट कंटेनर में भरकर फ्रिज में एक हफ्ते तक स्टोर कर सकते हैं।

आंखों में दिखाई देते हैं किडनी डैमेज के 4 लक्षण

वक्त पर पहचान करना है जरूरी....

हमारा शरीर एक मशीन की तरह है, जो किसी भी गड़बड़ी की सूचना पहले से ही संकेतों के जरिए देने लगता है। अगर हम इन संकेतों को समय रहते पहचान लें, तो गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। ऐसे ही किडनी के साथ किसी तरह की दिक्कत होने पर भी हमारा शरीर हमें चेतावनी देना शुरू कर देता है। किडनी डैमेज के लक्षण सिर्फ पेट या कमर दर्द तक सीमित नहीं रहते, बल्कि हमारी आंखें भी इसके बारे में साफ-साफ बता सकती हैं। आइए जानते हैं किडनी डैमेज के वो 4 लक्षण जो सीधे तौर पर आपकी आंखों में नजर आ सकते हैं और जिन्हें भूलकर भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

■ आंखों के आस-पास सूजन

यह किडनी खराब होने का सबसे आम और शुरुआती संकेत है। अगर सुबह उठने पर आपकी आंखों के चारों ओर, खासतौर से पलकों के नीचे, असामान्य सूजन नजर आए, तो इसे हल्के में न लें। दरअसल, स्वस्थ किडनियां शरीर में एक्स्ट्रा फ्लूइड और नमक को छानकर यूरीन के जरिए बाहर निकाल देती हैं। जब किडनी अपना काम ठीक से नहीं कर पातीं, तो यह एक्स्ट्रा फ्लूइड शरीर के टिश्यूज में जमा होने लगता है। आंखों के आस-पास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए सूजन सबसे पहले यहीं दिखाई देती है।

■ धुंधला दिखाई देना

अचानक से दृष्टि का धुंधला

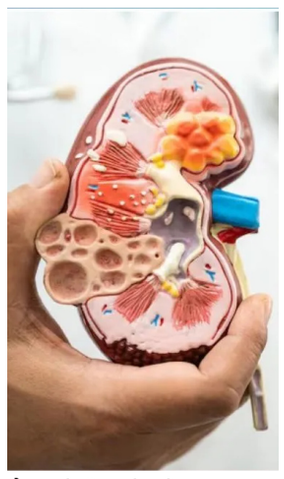

होना भी किडनी की समस्या का एक गंभीर संकेत हो सकता है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, किडनी की बीमारी अक्सर हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी होती है। हाई बीपी आंखों की नसों को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे रेटिनोपैथी हो सकती है और दृष्टि धुंधली हो सकती है। दूसरा, किडनी फेलियर की स्थिति में शरीर में कुछ टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं, जो सीधे तौर पर ऑप्टिक नर्व को प्रभावित कर सकते हैं, जिसके कारण देखने में दिक्कत होती है।

■ आंखों में सूखापन और खुजली

आंखों में लगातार सूखापन, जलन या खुजली की समस्या भी किडनी के ठीक से काम न करने का संकेत दे सकती है। जब किडनी ब्लड को अच्छी तरह से फिल्टर नहीं कर पाती, तो शरी में फॉस्फोरस की मात्रा बढ़ने लगती है। इस स्थिति को हाइपरफॉस्फेटेमिया कहते हैं। शरीर में फॉस्फोरस और कैल्शियम का संतुलन बिगड़ जाता है, जिसके कारण त्वचा और आंखों में खुजली और जलन की शिकायत हो सकती है।

■ आंखों के सामने अंधेरा छाना या चक्कर आना

अगर आपको अचानक खड़े होने पर आंखों के सामने अंधेरा छाने लगे या चक्कर आएं, तो यह किडनी की बीमारी के कारण होने वाले एनीमिया का लक्षण हो सकता है। दरअसल, स्वस्थ किडनी एक हार्मोन बनाती है जिसे एरिथ्रोपोइटिन कहते हैं। यह हार्मोन शरीर को रेड ब्लड सेल्स बनाने में मदद करती है। किडनी के डैमेज होने पर यह हार्मोन काफी मात्रा में नहीं बन पाता, जिससे शरीर में खून की कमी हो जाती है। खून की कमी के कारण चक्कर आना, आंखों के आगे अंधेरा छाना और थकान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

आज का राशिफल

मेष : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृषभ : परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा।

मिथुन : भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

कर्क : जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा। कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है।

सिंह : आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी।

कन्या : नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी।

तुला : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक : यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु : नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे। किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर : निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुंभ : सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

मीन : थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

घर पर ऐसे पहचानें अपना स्किन टाइप

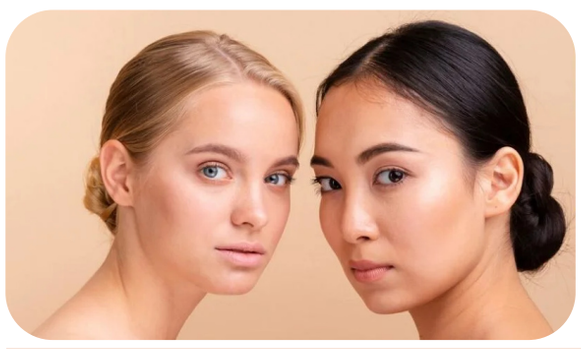

नहीं होगी सही प्रोडक्ट चुनने में कोई परेशानी

कोई चेहरे पर मुंहासे की वजह से परेशान है तो किसी को ड्राइ स्किन की समस्या है, लेकिन क्या आपको पता है स्किन का सिर्फ एक या दो नहीं पांच टाइप होता है। अगर आप अपने स्किन टाइप को जान लें तो उसके हिसाब से प्रोडक्ट का चुनाव करना और उसे मैनेज करना ज्यादा आसान हो सकता है। आइए, हम आपकी इस मुश्किल को थोड़ा आसान कर देते हैं और जानने की कोशिश करते हैं आपकी स्किन का टाइप क्या है।

■ क्यों जरूरी है स्किन टाइप जानना?

इससे आप जान पाएंगे कि आपकी स्किन से जुड़ी समस्या के लिए कौन-सा प्रोडक्ट ज्यादा कारगर होगा। ज्यादातर लोग तो अपनी स्किन टाइप को जाने बिना ही प्रोडक्ट खरीद लेते हैं और फायदे की जगह नुकसान उठाना पड़ता है। इन वजहों से जरूरी है स्किन टाइप जाननाः

■ ड्राई स्किन होने पर

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आपको ऐसा मॉइश्चराइजर चाहिए जिसमें सेरामाइड, लेक्टिक एसिड या ग्लिसरॉल हो।

■ सेंसिटिव स्किन के लिए

सेंसिटिव स्किन टाइप वाले लोगों को फ्रेगरेंस फ्री प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करना अति आवश्यक होता है.

इस तरह लगाएं अपने स्किन टाइप का पता

- अपने चेहरे को एक सौम्य, फ्रेगरेंस फ्री क्लींजर से धोएं।
- हल्के हाथों से चेहरे को तौलिए से पोछें।
- आधे घंटे तक कोई भी प्रोडक्ट नहीं लगाना है।
- अब आईने में देखें और इन बातों पर गौर करें
- अगर आपका पूरा चेहरा चमकता हुआ नजर आ रहा है तो आपकी स्किन ऑयली है।
- अगर माथे, नाक और टुड्डी पर ऑयल नजर आ रहा है तो आपकी कॉम्बिनेशन स्किन है।
- स्किन का टाइट महसूस होना ड्राई स्किन की निशानी है।
- नॉर्मल स्किन होने पर इस तरह का कोई भी बदलाव नजर नहीं आता ।

■ क्रीम, लोशन या फिर जैल

आपकी स्किन टाइप के आधार पर ही यह तय हो सकता है कि आपकी स्किन के लिए लोशन सही है, क्रीम, जैल या फिर फोम प्रोडक्ट्स।

गुड़हल की चाय के फायदे

गुड़हल के फूल बेहद सुंदर होते हैं. इसमें न सिर्फ कई तरह के औषधीय गुण मौजूद होते हैं, बल्कि गुड़हल देवी-देवताओं को भी अर्पित किया जाता है. सेहत के लिए भी इस फूल को फायदेमंद माना गया है. कई रोगों से बचाने में कारगर है ये फूल, यदि आप इससे बनी हर्बल चाय का सेवन करें. खासकर, सर्दियों के दिनों में गुड़हल की चाय जरूर पीनी चाहिए. चलिए जानते हैं गुड़हल की चाय पीने से सेहत पर क्या होता है असर.

- भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, गुड़हल की चाय के रेगुलर सेवन से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है. इससे काफी हद तक वजन घटाने में भी मदद मिल सकती है.
- गुड़हल की चाय पीने से हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) के मरीजों को काफी आराम मिल सकता है. इस फूल में मौजूद कुछ तत्व रक्त वाहिकाओं को आराम देते हैं. ब्लड प्रेशर को प्राकृतिक तरीके से कम करते हैं. बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा देते हैं.
- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और बायोएक्टिव कंपाउंड्स शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करते हैं, जिससे हार्ट डिजीज होने का रिस्क काफी हद तक कम हो सकता है.
- गुड़हल की चाय मेटाबॉलिज्म तेज करती है. शरीर से अतिरिक्त पानी और नमक को बाहर निकालने में

सहायक है. इसमें कैलोरी काफी कम होती है, जिस वजह से इसे आप रेगुलर पी सकते हैं. यह डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है. इस हर्बल टी को पीने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ती है. ब्लड शुगर लेवल स्थिर रखती है. इसके अलावा, यह लिवर को स्वस्थ रखती है, इम्यूनिटी बढ़ाती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

भदोही में दर्दनाक हादसा, डाइंग प्लांट के खौलते टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत

भदोही. यूपी के भदोही जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक डाइंग प्लांट में लगभग 11 बजे खौलते कैमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। ये दर्दनाक घटना औराई थाना क्षेत्र के उगापुर बाजार स्थित सूर्या कंपनी का है। जहां सोमवार को कुछ मजदूर खौलते केमिकल टैंक में गिर गए। इस हादसे में तीन लोगों की मौत और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मजदूर को तत्काल औराई चौराहे स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

60 साल की गर्लफ्रेंड की डिमांड से तंग आया प्रेमी, गला घोंटकर कर दी हत्या

हाथरस. यूपी के हाथरस से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां चंदपा क्षेत्र में एक युवक ने अपनी 60 साल की गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गया। उधर, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल के बाद आरोपित को हिरासत में लिया और पूछताछ में उसने सारा सच उगल दिया। दरअसल, प्रेमिका शादी का दबाव बना रही थी। यह घटना 14 नवंबर की है। चंदपा क्षेत्र के नगला भुस तिराहे के पास सड़क किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिला था। पुलिस अधीक्षक (एसपी) चिरंजीवनाथ सिन्हा ने शव की शिनाख्त और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए 10 टीमों का गठन किया था। बाद में शव की पहचान 60 वर्षीय जोशीना नामक महिला के रूप में हुई। एसपी ने बताया कि पुलिस ने करीब पांच जिलों के एक हजार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की पड़ताल की, जिसके बाद आगरा के ताजगंज निवासी इमरान नामक व्यक्ति पर संदेह हुआ।

बहन की शादी में आई नवविवाहिता का टॉयलेट में गला रेता, मायके में मर्डर से हड़कंप

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में एक नवविवाहिता के उसी के मायके में मर्डर से हड़कंप मच गया है। नवविवाहिता का उसके घर के टॉयलेट में गला रेत दिया गया। छह महीने पहले ही उसकी शादी देवरिया में हुई थी। वह अपनी चचेरी बहन की शादी अटेंड करने मायके आई थी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मौके पर पहुंची पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी है लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि नवविवाहिता की हत्या किसने और क्यों की?

घटना, गोरखपुर के झगहां थाना क्षेत्र के जगलरसुलपुर नंबर दो के लक्ष्मीपुर गांव में हुई है। रविवार की देर रात किसी ने इस वारदात को अंजाम दिया। मारी गई महिला का नाम शिवानी और उम्र 20 साल थी। रविवार की रात में शिवानी किसी समय शौचालय गई थी। लेकिन काफी देर तक वह बाहर नहीं आई। परिवार की महिलाएं जब शौचालय के पास गईं तो अंदर शिवानी को खून से लथपथ पड़ा शव देखकर चीख पड़ी। उसका गला तेज धारदार हथियार से रेता गया था। परिवार के लोगों के शोर मचाने पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। भोर में इसकी सूचना झंगहा पुलिस को दी गई।

देश के 53वें CJI बने जस्टिस सूर्यकांत

- शपथ के बाद भाई-बहन के पैर छुए
- पूर्व CJI गवई से गले मिले; मोदी-शाह से मिलने पहुंचे

नई दिल्ली. जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53 वें मुख्य न्यायाधीश (CJI) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग शामिल हुए। शपथ के बाद CJI सूर्यकांत ने PM मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व CJI बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में ब्राजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे।

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार किसी CJI के शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य भी पहुंचे। इस दौरान पूर्व CJI गवई ने एक नई मिसाल कायम की। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने अपनी आधिकारिक गाड़ी राष्ट्रपति भवन में ही अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्य कांत के लिए छोड़ दी।

CJI सूर्यकांत का कार्यकाल 14 महीने का होगा

वर्तमान CJI बीआर गवई का कार्यकाल रविवार 23 नवंबर को खत्म हो गया। उनके बाद अब जस्टिस सूर्यकांत यह जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड होंगे CJI सूर्यकांत

- CJI सूर्यकांत ने बेंच जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर के साथ कोर्ट रूम नंबर 1 में आधिकारिक कार्यवाही शुरू की। जस्टिस सूर्यकांत अब पांच मेंबर वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड भी होंगे।
- पांच मेंबर वाला कॉलेजियम जो सुप्रीम कोर्ट के जजों को चुनता है और हाईकोर्ट के जजों के ट्रांसफर पर फैसला करता है, उसमें अब CJI कांत और जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एमएम सुंदरेश शामिल होंगे।
- तीन सदस्यों वाले कॉलेजियम में, जो हाई कोर्ट के जजों को चुनता है, CJI और जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीवी नागरत्ना सदस्य होंगे। भले ही जस्टिस कांत का CJI के तौर पर लगभग 15 महीने का कार्यकाल है, कॉलेजियम में सिर्फ एक बदलाव होगा जब जस्टिस माहेश्वरी 28 जून, 2026 को रिटायर होंगे।
- जस्टिस पीएस नरसिम्हा कॉलेजियम के सदस्य बनेंगे। CJI कांत के रिटायर होने के बाद, जस्टिस जेबी पारदीवाला कॉलेजियम में शामिल होंगे।

2 बसों की आमने-सामने टक्कर, 6 की मौत : 30 यात्री घायल

तमिलनाडु के तेनकासी जिले में सोमवार को दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 यात्री घायल हो गए हैं।

मरने वालों में 5 महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस और तेनकासी से कोविलपट्टी जा रही बस में सोमवार सुबह 11 बजे टकरा गईं। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि गलती ड्राइवर की थी। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस का ड्राइवर लापरवाही और तेज स्पीड में गाड़ी चला रहा था। घायल यात्रियों का नजदीकी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कुछ पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। कटर की मदद से बस के क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर यात्रियों को बाहर निकालना पड़ा।

प्रशांत किशोर को हार पर मिली फडणवीस से नसीहत

मुंबई. बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार पाने वाले प्रशांत किशोर को महाराष्ट्र के चीफ मिनिस्टर देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को एक सीख दी। उन्होंने कहा कि राजनीति में हमेशा से विचारधारा से ज्यादा संख्या को महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को चलाने के दो ही तरीके हैं। विचारधारा और नंबर, लेकिन आप बिना नंबर के विचारधारा को आगे नहीं बढ़ा सकते। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर ने विचारधारा के बारे में खूब बात की, लेकिन एक भी सीट हासिल नहीं हुई। आपको राजनीति में व्यवहारिक होना होगा। प्रासंगिक होना अहम है और इसके लिए जरूरी है कि आपके पास नंबर हों। यहां नंबर से उनका अर्थ विधायकों, सांसदों या अन्य जनप्रतिनिधियों की संख्या से था।

देवेंद्र फडणवीस ने इस दौरान गठबंधन की राजनीति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हमारी विचारधारा भले ही मेल नहीं खाती है, लेकिन हम एक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब गठबंधन की राजनीति परिपक्व हो गई है और भाजपा इसमें आगे हैं। फडणवीस ने 1990 के दशक का जिक्र करते हुए कहा कि तब देश को 6 अलग-अलग पीएम मिले थे। बता दें कि देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं। इससे पहले करीब दो साल तक वह एकनाथ शिंदे की सरकार में डिप्टी सीएम रहे थे।

यही नहीं 5 सालों तक वह 2014 से 2019 तक गठबंधन सरकार के पूरे 5 साल सीएम रहे थे। शिवसेना से डील करने के अलावा भी कई मोर्चों पर वह सहजता से काम करते दिखे थे। ऐसे में गठबंधन सरकार चलाने का उनका अनुभव है। बता दें कि मुंबई के निकाय चुनाव बोने वाले हैं और उससे पहले चर्चाएं तेज हैं कि क्या शिवसेना के साथ गठबंधन इन चुनावों में रहेगा या दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे।

इस बीच उन्होंने गठबंधन से लेकर प्रशांत किशोर तक के बारे में खुलकर बात की है। बता दें कि प्रशांत किशोर की पार्टी को इतने वोट भी नहीं मिले हैं कि वह राज्य की मान्यता प्राप्त पार्टी का दर्जा हासिल कर ले। नियम के अनुसार चुनाव में यदि 6 फीसदी वोट मिलते हैं, तभी उसे मान्यता प्राप्त दल का स्टेटस मिलता है।

कर्नाटक में छिन जाएगी सिद्धरमैया की कुर्सी?

- बढ़ने लगी डीके समर्थक विधायकों की संख्या

कर्नाटक में मुख्यमंत्री परिवर्तन के मुद्दे पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर सत्ता संघर्ष जारी है। इस बीच उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों का एक और समूह पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचा है। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, कम से कम छह विधायक रविवार रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर जल्द ही कुछ और विधायकों के दिल्ली आने की संभावना है।

खबरों के अनुसार, यह मामला 2023 में हुए सत्ता-साझेदारी समझौते पर आधारित है, जिसके तहत सिद्धरमैया को ढाई साल (20 नवंबर तक) मुख्यमंत्री रहना था और इसके बाद यह जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मिलनी थी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि जो विधायक दिल्ली में हैं, उनमें एच सी बालकृष्ण (मगदी), के एम उदय (मद्दूर), नयना मोटाम्मा (मुदिगेरे), इकबाल हुसैन (रामनगर), शरथ बाचेगौड (होसाकोटे) और शिवगंगा बसवराज (चन्नागिरी) शामिल हैं।

खरगे बेंगलुरु, राहुल गांधी विदेश में

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे फिलहाल बेंगलुरु में हैं और वह जल्द ही दिल्ली जाने वाले हैं। वहीं, कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी के भी विदेश यात्रा से लौटने की संभावना है। शिवकुमार का समर्थन करने वाले लगभग दस विधायकों ने पिछले सप्ताह नई दिल्ली जाकर खरगे से मुलाकात की थी। राज्य में कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने ढाई साल पूरे कर लिए। हालांकि, शिवकुमार ने तब कहा था कि उन्हें विधायकों के खरगे से मिलने के लिए दिल्ली जाने की जानकारी नहीं है।

सिद्धा चाहते हैं मंत्रिमंडल में बदलाव

शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों के दिल्ली जाने के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को बेंगलुरु स्थित खरगे के आवास पर उनके साथ एक घंटे से ज्यादा समय तक बैठक की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सिद्धरमैया अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल पर जोर दे रहे हैं, वहीं शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला करे। पार्टी के कई अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, अगर कांग्रेस आलाकमान मंत्रिमंडल में फेरबदल को मंज़ूरी दे देता है, तो यह संकेत होगा कि सिद्धरमैया पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, जिससे शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की संभावनाएं कम हो जाएंगी।

जो मदरसे का कमरा नहीं बना सकते जालिम...

- दिल्ली ब्लास्ट पर फिर बिफरे ओवैसी

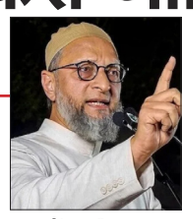

हैदराबाद. दिल्ली में लाल किले के पास हुई आतंकी घटना पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का एक और बयान सामने आया है। उन्होंने हैदराबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के दुश्मन हमारे दुश्मन हैं। एक इदारा (संस्थान) बनाना कितना मुश्किल है। मुसलमानों ने जो इदारे कायम किए यदि कोई उस तालीम इदारे (शैक्षणिक संस्थान) में बैठक कर बन बनाने की साज़िश करता है तो हम उसकी निंदा करते हैं। जो एक मदरसे और स्कूल का कमरा नहीं बना सकते वे जालिम अमोनियम नाइट्रेट लेकर बैठते हैं।

दिल्ली ब्लास्ट का जिक्र करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 14 लोग मारे गए। हिन्दू भी मारे गए और मुस्लिम भी मारे गए। हमको इस तरह की जहनियत (मानसिकता या सोच) रखने वाले लोगों की मजम्मत (निंदा) करनी चाहिए। जो मुल्क का दुश्मन है वो हमारा दुश्मन है। अगर इस तरह की हरकतें होंगी तो फिर हम खुली छूट देते हैं कि जो चाहे करना चाहो करो...

असदुद्दीन ओवैसी ने आगे कहा कि जो लोग समझते हैं कि मुसलमानों को सेकेंड क्लास सिटिजन बनाया जाएगा तुम भूल जाओ तुम्हारी नस्लें खत्म हो जाएंगी... हम खत्म हो जाएंगे लेकिन जब तक दुनिया बाकी रहेगी हिन्दुस्तान में मुसलमान एक बाइज्जत हिन्दुस्तानी बन कर रहेगा। हम अपने हक के लिए जम्हूरियत (लोकतंत्र) के दायरे में लड़ते रहेंगे। हम अपनी मस्जिदों को बचाएंगे। तुम एक मस्जिद शहीद करोगे हम लाखों मस्जिदें बनाएंगे।

'गोवा को सेक्स डेस्टिनेशन नहीं बना सकते'

- टेल्स ऑफ कामसूत्र कार्यक्रम पर लगी रोक

पणजी. गोवा में टेल्स ऑफ कामसूत्र एंड क्रिसमस सेलिब्रेशन नाम से कार्यक्रम आयोजित करने का सोशल मीडिया पर प्रचार हुआ। इसे लेकर भारी आक्रोश के बाद गोवा पुलिस ने तुरंत मामले का संज्ञान लिया और दिसंबर में होने वाले आयोजन पर रोक लगा दी है। साथ ही, सभी विज्ञापनों को हटाने के निर्देश दिए हैं।

गोवा पुलिस ने अपने बयान में कहा, 'हमने इस मामले का तत्काल संज्ञान लिया है और आयोजकों को कार्यक्रम आगे नहीं बढ़ाने का निर्देश दिया है। साथ ही सभी विज्ञापनों को सोशल मीडिया से तुरंत हटाने को कहा गया है।' राज्य भर के सभी पुलिस थानों को आगामी आयोजनों पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

शिकायतकर्ता अरुण पांडे गोवा स्थित एनजीओ अर्ज के संस्थापक-निदेशक हैं। उन्होंने ओशो, क्रिसमस और ध्यान के नाम पर गोवा को सेक्स डेस्टिनेशन के रूप में प्रचारित करने पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने क्राइम ब्रांच में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

कैथोलिक एसोसिएशन ऑफ गोवा के अध्यक्ष सिरिल ए फर्नांडिस ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया गया कि यह आयोजन यौन अपराधों को बढ़ावा देता है और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है।

कार्यक्रम के विज्ञापन की कड़ी निंदा

भारतीय काथोलिक बिशप सम्मेलन के अध्यक्ष व गोवा के आर्चबिशप फिलिप नेरी कार्डिनल फेराओ ने विज्ञापन की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे ईसामसीह के पवित्र जन्मोत्सव को अश्लील व असंबंधित विषयों से जोड़ने वाला गैर-जिम्मेदाराना कृत्य बताया। उन्होंने इसे लाखों लोगों की धार्मिक भावनाओं के लिए गहरी ठेस पहुंचाने वाला करार दिया। आर्चबिशप ने आयोजकों से विज्ञापन तुरंत वापस लेने, क्रिसमस के आध्यात्मिक सार का सम्मान करने और अधिकारियों से मामले की जांच करने की अपील की। उन्होंने सभी काथोलिकों और सद्भावना रखने वाले लोगों से ऐसी किसी भी गतिविधि से दूर रहने का आह्वान किया, जो धार्मिक मूल्यों का अपमान करती हो।

न स्पिन, न पेस खेल पा रही टीम इंडिया

- गुवाहाटी में यानसन को 6 विकेट दिए
- टीम 201 पर ऑलआउट
- साउथ अफ्रीका 314 रन आगे

भारत के लिए साउथ अफ्रीका सीरीज हर दिन के साथ और भी खराब होते जा रही है। कोलकाता में स्पिन से हारने के बाद टीम गुवाहाटी में तेज गेंदबाजी के आगे फेल हो गई। बैटिंग के लिए मददगार पिच पर टीम ने लेफ्ट आर्म पेसर मार्को यानसन को 6 विकेट दिए और 201 रन पर ऑलआउट हो गई।

साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त के बावजूद फॉलो-ऑन नहीं दिया। टीम ने स्टंप्स तक अपनी दूसरी पारी में बगैर नुकसान के 26 रन बना लिए, इस तरह उनकी बढ़त 314 रन की हो चुकी है। 2 दिन का खेल बाकी है और भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हैं। बराबरी के लिए भारत को जीत चाहिए, वहीं साउथ अफ्रीका मैच को ड्रॉ कराकर भी सीरीज जीत जाएगा।

ओपनर्स ने मजबूत शुरुआत दिलाई

बरसापारा स्टेडियम में सोमवार को भारत ने 9/0 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने संभलकर फिफ्टी पार्टनरशिप की और मजबूत नींव रखी। राहुल 22 रन बनाकर केशव महाराज की गेंद पर स्लिप में कैच हुए।

पहले विकेट के बाद भी यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन ने टीम को संभाले रखा। यशस्वी ने फिफ्टी लगाई और टीम को 100 रन के करीब पहुंचा दिया। हालांकि, दोनों को साइमन हार्मर ने लगातार ओवरों में कैच करा दिया। भारत ने 96 रन पर 3 विकेट गंवा दिए।

मार्को यानसन ने बैकफुट पर धकेला

ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत बैटिंग करने आए। यहां साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने तेज गेंदबाज मार्को यानसन को बॉलिंग पर लगा दिया। यानसन ने बाउंसर फेंकने की स्ट्रैटिजी अपनाई और 4 विकेट झटक लिए।

सिनेमा के एक युग का अंत

89 साल की उम्र में अभिनेता धर्मेंद्र का निधन

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 89 की उम्र में निधन हो गया है। वे कई दिनों से बीमार थे और मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती थे। धर्मेंद्र 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए थे। उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान घाट पर होगा जहां अमिताभ बच्चन, आमिर खान, सलीम खान, आदित्य रॉय कपूर समेत कई सितारे पहुंच गए हैं।

धर्मेंद्र कई दिनों से बीमार चल रहे थे और 31 अक्टूबर को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे, उन्हें सांस लेने में तकलीफ की समस्या थी। वे 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज हुए थे। परिवार ने बयान जारी किया था कि वे अब रिकवर कर रहे हैं, उन्होंने 24 नवंबर को 89 की उम्र में अंतिम सांस ली। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक 10 नवंबर से अभिनेता वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे।

इंडस्ट्री से पहुंचीं ये हस्तियां

फिल्ममेकर करण जौहर ने सोशल मीडिया पर धर्मेंद्र के निधन की जानकारी दी वहीं अभिनेता की बेटी ईशा देओल, उनके जिगरी दोस्त अमिताभ बच्चन, आमिर खान, अगस्त्य नंदा उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंच चुके हैं। करण ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'यह एक ERA का अंत है, एक बहुत बड़ा मेगा स्टार, मेनस्ट्रीम सिनेमा में एक HERO का रूप, बहुत हैंडसम और सबसे रहस्यमयी स्क्रीन प्रेजेंस, वह इंडियन सिनेमा के एक असली लेजेंड हैं और हमेशा रहेंगे। सिनेमा के इतिहास के पन्नों में एक खास और शानदार पहचान, लेकिन सबसे ज़्यादा वह एक सबसे अच्छे इंसान थे।

हमारी इंडस्ट्री में हर कोई उन्हें बहुत प्यार करता था। उनके पास सबके लिए बहुत सारा प्यार और पॉजिटिविटी थी। उनका आशीर्वाद, उनका गले लगना और उनका जबरदस्त प्यार शब्दों से ज़्यादा याद आएगा। आज हमारी इंडस्ट्री में एक बहुत बड़ा खालीपन है। एक ऐसी जगह जिसे कोई कभी नहीं भर सकता, हमेशा सिर्फ और सिर्फ़ DHARAMJ ही रहेंगे। हम आपसे प्यार करते हैं सर। हम आपको बहुत याद करेंगे। आज आसमान धन्य है। आपके साथ काम करना हमेशा मेरे लिए आशीर्वाद रहेगा और मेरा दिल सम्मान, श्रद्धा और प्यार के साथ कहता है। अभी ना जाओ छोड़ के, के दिल अभी भरा नहीं। OM SHANTI'।

धर्मेंद्र की अपकमिंग फिल्म

आज ही के दिन उनकी आने वाली फिल्म इक्कीस का पोस्ट रिलीज किया गया था जिसमें वे अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और जयदीप अहलावत के

300 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

धर्मेंद्र केवल कृष्ण देओल का जन्म 8 दिसंबर 1935 को हुआ था। वे एक भारतीय अभिनेता, निर्माता और राजनेता थे, जो मुख्य रूप से हिंदी फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। 65 साल के करियर में, उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा हिट फिल्मों में अभिनय करने का रिकॉर्ड उनके नाम है।

PM मोदी, राष्ट्रपति मुर्मु ने धर्मेंद्र को किया याद

- बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर और 'ही-मैन' के नाम से मशहूर धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके निधन का समाचार सुनकर फिल्म जगत से लेकर राजनेताओं और प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गयी।
- पीएम नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'धर्मेंद्र जी के जाने से इंडियन सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है। वह एक आइकॉनिक फिल्म पर्सनैलिटी थे, एक जबरदस्त एक्टर थे जो अपने हर रोल में चार्म और गहराई लाते थे।
- जिस तरह से उन्होंने अलग-अलग रोल किए, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ है। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और प्यार के लिए भी उतने ही जाने जाते थे। इस दुख की घड़ी में, मेरी दुआएं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के साथ हैं। ओम शांति।'
- इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने धर्मेंद्र के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'वरिष्ठ अभिनेता और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक थे, उन्होंने अपने दशकों लंबे शानदार करियर में कई यादगार प्रस्तुतियां दीं।'
- गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 'अपने बहतरीन अभिनय से 6 दशकों तक हर देशवासी के दिल को छूने वाले धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

संक्षेप...

बॉलीवुड आर्टिस्ट से 16.5 लाख की ठगी

मुंबई. वर्सोवा पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के चार महीने बाद बिल्डर बाबू सिंघल को गिरफ्तार कर लिया है. उस पर आरोप है कि उसने बॉलीवुड कलाकार प्रियंका साहू को, नई इमारत में फ्लैट देने के नाम पर 16.5 लाख रुपये की ठगी की है. वर्तमान में सिंधल पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ जारी है. पुलिस ने इस धोखाधड़ी में दलाल मोहम्मद इकबाल अजीज खान अहमद को भी सह-आरोपी बनाया है, और उसे वांछित घोषित किया गया है. उसकी तलाश जारी है. पुलिस को संदेह है कि दोनों आरोपियों ने इससे पहले भी इसी तरह की ठगी की घटनाएं की होंगी.

एसीबी की जाल में फंसे हैं 61 क्लास वन अफसर

- पुलिस और राजस्व विभाग सबसे आगे
- पिछले साढ़े 10 माह का लेखा-जोखा

मुंबई. इंसाफ़ करने वाले एक जज के रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद कई लोगों की भौंहें तन गईं। इसके बाद पिछले साढ़े दस महीने में एंटी-करप्शन ब्यूरो की जाल में 61 क्लास वन ऑफिसर फंसे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि ACB के आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो सालों में रिश्वत लेते पकड़े गए लोगों को सस्पेंड या डिसमिस करने का समय प्रशासन को नहीं मिल रहा है। 209 रिश्वत लेने वालों को अभी तक सस्पेंड नहीं किया गया है। इसलिए वे कुर्सी पर बैठे हुए हैं। इसमें क्लास वन और क्लास टू के 72 लोग शामिल हैं।

एसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जनवरी से 17 नवंबर के बीच 610 केस दर्ज किए गए हैं, जिनमें 597 फंसाने के ऑपरेशन शामिल हैं। इसमें 904 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें रेवेन्यू और पुलिस डिपार्टमेंट की लीड बनी हुई है। इसमें 61 क्लास वन ऑफिसर पकड़े गए हैं। इसमें

सबसे ज़्यादा 434 क्लास थ्री के कर्मचारी पकड़े गए हैं।

1 जनवरी 2024 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच रिश्वत के जाल में फंसने के बावजूद, यह देखा गया कि प्रशासन सस्पेंशन की कार्रवाई को लेकर गंभीर नहीं था। इसमें क्लास वन (36), क्लास टू (36), क्लास थ्री (125) और क्लास फोर के 12 अधिकारी शामिल हैं। सबसे ज़्यादा मुंबई (47), ठाणे (43), पुणे (23), नासिक (22), नागपुर (14), अमरावती (14), छत्रपति (28), नांदेड़ (11) के अधिकारियों को अभी तक सस्पेंड नहीं किया गया है।

मझगांव सिविल सेशंस कोर्ट के एक क्लर्क चंद्रकांत वासुदेव को ACB ने 15 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। पता चला कि यह रकम एडिशनल सेशंस जज एजाजुद्दीन काजी के लिए थी। दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है। इससे पहले सतारा में भी एक जज रिश्वत के मामले में पकड़े गए थे।

रिश्वत में दोषी पाए जाने के बाद भी 19 लोगों को उनके सीनियर अधिकारियों की कृपा से बर्खास्त नहीं किया गया है।

कार्रवाई से साफ है कि सरकारी दफ्तरों में रिश्वत लेना और देना जुर्म है, यह बताने वाली तख्तियां सिर्फ नाम के लिए हैं। एजुकेशन डिपार्टमेंट में सबसे ज्यादा रिश्वत लेने वाले हैं, ट्रैप कार्रवाई में पकड़े जाने के बाद भी एजुकेशन डिपार्टमेंट में सबसे ज्यादा 48 अधिकारी अभी भी कुर्सी पर हैं, और यह देखा जा रहा है कि प्रशासन कार्रवाई करने में उदासीन है। इसके बाद अर्बन डेवलपमेंट (36), रेवेन्यू (31) और पुलिस (26) डिपार्टमेंट हैं।

वोटिंग से पहले BJP के 100 पार्षद निर्विरोध जीते

मुंबई. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से ठीक पहले बीजेपी ने दावा किया है कि उसके 100 से ज्यादा पार्षद निर्विरोध चुन लिए गए हैं। यह जीत राज्य के अलग-अलग नगर परिषदों और नगर पंचायतों में हुई है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने बताया कि तीन उम्मीदवार नगर परिषदों के अध्यक्ष पद पर भी निर्विरोध चुने गए हैं। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व को दिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख थी।

कहां से कितने पार्षद जीते?

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में निर्विरोध चुने गए 100 पार्षदों में से चार कोंकण क्षेत्र से, 49 उत्तर महाराष्ट्र से, 41 पश्चिमी महाराष्ट्र से और तीन-तीन मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों से हैं। राज्य में 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के लिए 2 दिसंबर को मतदान होना है, जबकि वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। हालांकि चुनावी माहौल में कई बीजेपी नेताओं के रिश्तेदारों का निर्विरोध जीतना चर्चा का विषय बना हुआ है। क्योंकि विरोधियों ने नामांकन वापस ले लिया, जिससे इन नेताओं के रिश्तेदारों के लिए रास्ता आसान हो गया।

बीजेपी नेताओं के रिश्तेदारों का दबदबा

मंत्री गिरीश महाजन और जयकुमार रावल समेत BJP के कई सीनियर नेताओं के रिश्तेदार लोकल बॉडीज में बिना किसी विरोध के चुने गए हैं। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि बीजेपी की खानदानी राजनीति की परंपरा अब जमीनी स्तर के चुनावों तक पहुंच गई है और नेताओं के रिश्तेदारों की बिना विरोध जीत पक्की करने के लिए पुलिस मशीनरी पर दबाव डाला गया। जामनेर में जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन की पत्नी साधना महाजन कांग्रेस उम्मीदवार रूपाली लालवानी और एनसीपी के दो उम्मीदवारों के मैदान से हटने के बाद म्युनिसिपल काउंसिल प्रेसिडेंट पद के लिए बिना विरोध के चुनी गईं।

मेडिकल हेल्थ ऑफिसर संदीप गाडेकर (MOH) के भ्रष्टाचार के संबंध में आयुक्त से शिकायत

भिवंडी. भिवंडी मनपा के मेडिकल हेल्थ ऑफिसर डा.संदीप गाडेकर के भ्रष्टाचार के संबंध में कई पूर्व पार्षदों ने मनपा प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर से शिकायत की है.

भ्रष्टाचार संबंधित शिकायत में बताया गया है कि डा.संदीप गाडेकर के भ्रष्ट कामकाज की हमारे ऑफिस में शिकायतें आ रही हैं. जिसके अनुसार भिवंडी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, रजिस्ट्रेशन, रिन्यूअल, एक्स-रे और सोनोग्राफी सेंटर के रजिस्ट्रेशन में देरी हो रही है और बिना पैसे दिए रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा रहा है.साथ ही बर्थ एंड डेथ डिपार्टमेंट के जो मुख्य ऑफिसर हैं, वे ऑफिस में मौजूद नहीं रहते हैं,

जिससे बर्थ एंड डेथ सर्टिफिकेट बनवाने में दिक्कत हो रही है और उन्हें बनवाने के लिए पैसे देने पड़ते हैं. आरोप है कि नेशनल हेल्थ मिशन के तहत डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, पैथलैब टेक्नीशियन और दूसरों की नियुक्ति उनकी क्वालिफिकेशन चेक करके नहीं की गई है, बल्कि पैसे लेकर की गई है. भिवंडी के कई इलाकों में फर्जी डॉक्टर खुलेआम क्लीनिक चला रहे हैं.हेल्थ डिपार्टमेंट दिखावे की खातिर बोगस डॉक्टरों पर एक्शन लेने के बाद पैसे लेकर छोड़ दिए जाते हैं और पहले से अपना क्लीनिक चलाते रहते हैं.लोक जनक्रांति ह्युमन राइट एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष एड. निलेश जाधव, प्रभाग क्र. 4 की पूर्व सभापति एवं वार्ड क्र.19 (क) की पूर्व नगरसेविका अंसारी नाजेमा मोहम्मद हदीस एवं शिक्षण समिति के पूर्व उपसभापति एवं पूर्व नगरसेवक अंसारी मो. वसीम, पूर्व पार्षद साफ मोमिन, पूर्व पार्षद मोमिन परवेज अहमद ने मनपा प्रशासक आयुक्त अनमोल सागर से शिकायती पत्र देकर भ्रष्टाचार में लिप्त डा संदीप गाडेकर को तुरंत सस्पेंड कर भ्रष्टाचार की जांच कराई जानी चाहिए, अन्यथा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी शिकायत की जाएगी.

ठाणे के कुछ इलाकों में कल पानी नहीं

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत वागले प्रभाग समिति और लोकमान्य सावरकर प्रभाग समिति के तहत इंदिरानगर में पानी सप्लाई करने के लिए हाल ही में 1168 mm डायमीटर की पानी की पाइप बिछाई गई है। इस पानी की पाइप को चालू करने के लिए, इंदिरानगर नाका पर 750 mm डायमीटर की पानी की पाइप पर एक वाल्व लगाना ज़रूरी है। इस वजह से बुधवार 26 को सुबह 9 बजे से गुरुवार

27 को सुबह 9 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी।बंद अवधि के दौरान ठाणे मनपा के अंतर्गत आने वाले इंदिरानगर जलकुंभ, श्रीनगर जलकुंभ, वारलीपाड़ा जलकुंभ, कैलाशनगर रेनो टैंक, रूपादेवी जलकुंभ, रूपादेवी रेनो टैंक, रामनगर जलकुंभ, येउर एयर फोर्स जलकुंभ, लोकमान्य जलकुंभ आदि में पानी की आपूर्ति 24 घंटे के लिए पूरी तरह बंद रहेगी। नागरिकों को ध्यान देना चाहिए कि पानी की आपूर्ति शुरू होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी की आपूर्ति कम दबाव पर होगी। उनसे पानी कटौती अवधि के दौरान पानी का संयम से उपयोग करके ठाणे मनपा के साथ सहयोग करने की अपील की गई है।

RPF ने कार्रवाई कर 38 लाख वसूले

मुंबई. सेंट्रल रेलवे की रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने एक महीने तक चली बड़ी कार्रवाई में, अक्टूबर 2025 में रेलवे एक्ट के अलग-अलग नियमों के तहत 8,184 नियम तोड़ने वालों को पकड़ा और 38.03 लाख रुपये पेनल्टी के तौर पर वसूले। अधिकारियों का कहना है कि पैसेंजर सेफ्टी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्टेशनों, ट्रेनों और रेलवे एसेट्स को सुरक्षित करने के लिए यह तेज़ कार्रवाई एक बड़े कदम का हिस्सा है। सेंट्रल रेलवे द्वारा हाल ही में जारी किए गए डेटा के मुताबिक, आरपीएफ के इंटेलिजेंस पर आधारित ऑपरेशन के कारण कई डिवीजनों में टारगेटेड रेड, गिरफ्तारियां और ऑन-ग्राउंड विजिलेंस हुई।

खास कार्रवाइयों में महिला कोच का गलत इस्तेमाल शामिल है, जहां 243 पुरुष यात्रियों पर रेलवे एक्ट के सेक्शन 162 के तहत महिलाओं के लिए रिज़र्व कोच में गैर-कानूनी तरीके से घुसने का मामला दर्ज किया गया, जिन पर कुल 62,200 रुपये का पेनल्टी लगाया गया। इसके अलावा, रेलवे प्रॉपर्टी (गैर-कानूनी कब्ज़ा) एक्ट के तहत रेलवे के सामान की चोरी और गैर-कानूनी कब्जे के लिए 59 लोगों को गिरफ्तार किया गया, और अधिकारियों ने चोरी का सामान और 4.62 लाख रुपये का जुर्माना वसूला।

श्री वाडेश्वर मंदिर जीर्णोद्धार के लिए शिलान्यास समारोह संपन्न

मुंबई. कुर्ला पश्चिम के वार्ड क्रमांक 166 स्थित वाडिया इस्टेट क्षेत्र के प्रसिद्ध जागृत देवस्थान श्री वाडेश्वर मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य हेतु शिलान्यास समारोह श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

मंदिर पुराना होने के साथ-साथ परिसर जमीन के समतल स्तर पर होने के कारण हर वर्ष बारिश में गंदा पानी गर्भगृह में प्रवेश कर शिवलिंग तक पहुंच जाता था, जिससे मंदिर का पवित्र वातावरण बाधित होता था। इस गंभीर समस्या को स्थानीय निवासी और शिवभक्त लंबे समय से सहन कर रहे थे। स्थानीय शिवभक्तों की इस समस्या को मोहन आंबेकर ने वरिष्ठ नेतृत्व के संज्ञान में लाया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन, मजबूत समर्थन तथा स्थानीय नागरिकों और सहयोगियों के सहकार्य से वाडेश्वर मंदिर के जीर्णोद्धार का

निर्णय लिया गया और निर्माण कार्य का शुभारंभ शिलान्यास पूजन के साथ किया गया। इस पवित्र विधि का यजमानत्व आंबेकर परिवार ने सौभाग्यपूर्वक निभाया।

समारोह में राधेश्याम पाणीग्रही, सोमनाथ कुंभार, अमरजित सिंह, वीरेंद्र म्हात्रे, अनिल गलगली, मनोज नाथानी, चिराग गुप्ता, कुंदनमल सोनी, प्रकाश डांगी, कीर्तीभाई सतरा, एड. वीरेंद्र दुबे, भाऊसाहेब ढगे, घनश्याम भापकर, राजन खैरनार, नीलेश झंजे, गंगाधर पुजारी, अतुल चव्हाण, संतोष मिश्रा, श्रीपाद जोशी, दीपक घोणे, निलेश म्हस्के, जगदीश खारगे, राजबहादुर राजभर, परशुराम कांबळे, संजय शिरसाट, सचिन नेमण, एकनाथ कोठारे, विनोद गीते, नितिन धुमाळ, शैलेश कांड, अर्चना निवळकर, कल्पना पिंजरकर उपस्थित थे। इनके साथ क्षेत्र के अनेक मान्यवर, बड़ी संख्या में स्थानीय भक्तगण और निवासी उपस्थित रहे और समारोह को भव्यता प्रदान की।

बिड़ला महाविद्यालय में 2 दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद

कल्याण. बी. के. बिड़ला महाविद्यालय में आईसीएसएसआर, दिल्ली, महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी, मुंबई और अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में "विद्यानिवास मिश्र एवं गोपालदास नीरज के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक-सांस्कृतिक बोध" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया.

परिसंवाद का शुभारंभ यूजीसी के पूर्व उपाध्यक्ष प्रो. डी. के. श्रीवास्तव ने किया. उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चन्द्र, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिकुलपति प्रो. चितरंजन मिश्र, के. के. बिड़ला फाउंडेशन के निदेशक

प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण, वरिष्ठ निबंधकार श्रीराम परिहार, महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. शीतला प्रसाद दुबे सहित देशभर के कई प्रख्यात साहित्यकार उपस्थित थे.

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटील ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के लिए यह आयोजन गौरवपूर्ण बताया.कार्यक्रम का आयोजन विद्यानिवास मिश्र और गोपालदास नीरज के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया था। संयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय ने आगंतुक विद्वानों के प्रति आभार व्यक्त किया. परिसंवाद को छह सत्रों में विभाजित किया गया था, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए 60 से अधिक हिन्दी विद्वानों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए.

प्रमुख वक्तव्यों में प्रो. चितरंजन मिश्र ने विद्यानिवास मिश्र के साहित्य में भारतीय परंपरा, लोकसंस्कृति और मानव मूल्यों की सशक्त उपस्थिति को रेखांकित करते हुए उनके लेखन को भारतीय जीवनदृष्टि का जीवंत दस्तावेज बताया. डॉ. श्रीराम परिहार ने कहा कि मिश्र जी के निबंध भारतीय समाज की आत्मा हैं, वहीं नीरज की कविताओं में रूमानी भावों के साथ गहन राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना निहित है.

प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण ने नीरज साहित्य को जनमानस से जुड़ा हुआ बताते हुए कहा कि उनका काव्य देश-समाज की संवेदनाओं का सजीव प्रतिबिंब है.

प्रो. शैलेन्द्र शर्मा ने दोनों साहित्यकारों को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया और भाषा की सरलता, भावों की गहराई तथा राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता को उनकी रचनाओं की विशेषता बताया.

प्रो. नरेन्द्र मिश्र ने दोनों रचनाकारों के साहित्य पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया. इस राष्ट्रीय परिसंवाद को सफल बनाने में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. बालकवि सुरंजे, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. धीरज शेखावत, डॉ. प्रतिभा गाढे, डॉ. भरत बागुल, डॉ. सोनाली, डॉ. विशाखा और डॉ. कविता सहित विभाग के सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम न केवल साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक संस्कृति और साहित्यिक मूल्यों पर गहन संवाद का मंच भी बना.

जीशान सिद्दीकी को दी गई y सिक्योरिटी हटाई गई

मुंबई. पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हाई-प्रोफाइल हत्या के बाद, उनके बेटे, जीशान सिद्दीकी को दी गई वाई - कैटेगरी की सिक्योरिटी अब वापस ले ली गई है। सिक्योरिटी हटाए जाने के बाद, जीशान सिद्दीकी ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को एक लेटर लिखकर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सूत्रों के मुताबिक, सिक्योरिटी कवर में कमी के बाद, अभी जीशान के साथ सिर्फ दो कांस्टेबल तैनात हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके घर पर पहले तैनात सिक्योरिटी वालों को हटा दिया गया है। अभी तक, मुंबई पुलिस ने इस मामले पर कोई ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया है।

डॉ. आनंदीबाई जोशी मैटरनिटी हॉस्पिटल बनेगा अत्याधुनिक

ठाणे. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के निधी से डॉ. आनंदीबाई जोशी मैटरनिटी हॉस्पिटल को अत्याधुनिक हॉस्पिटल में बदलने के बड़े प्रोजेक्ट का आज शिलान्यास हुआ। यह सेरेमनी सुबह 12 बजे ब्राह्मण विद्यालय वर्तकनगर के सामने हुई।इस नए हॉस्पिटल में 100 बेड की मॉडर्न सुविधाएं होंगी और यह प्रोजेक्ट इलाके के लोगों के लिए एक बड़ी राहत होगी। इस हॉस्पिटल में मेडिकल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड ट्रीटमेंट सिस्टम और मरीज़ों की देखभाल के लिए ज़रूरी सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया जाएगा। यह बात मंत्री सरनाईक ने इस मौके पर कही। इस समारोह में पूर्व महापौर हरिश्चंद्र पाटिल, मनपा उपायुक्त उमेश बिरारी, वैद्यकीय अधिकारी प्रसाद पाटिल, राजेंद्र फाटक, राधिका फाटक, विमल भोईर, कल्पना पाटिल, भगवान देवकाटे सहित शिवसेना के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। मौजूद लोगों ने भरोसा जताया कि इस प्रोजेक्ट से वर्तकनगर और आस-पास के इलाकों में हेल्थकेयर सेवाएं और बेहतर होंगी।मनपा ने आनंदीबाई जोशी हॉस्पिटल और

मैटरनिटी वार्ड को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कैशलेस हॉस्पिटल में बदलने और अलग-अलग फ्लोर पर प्लान के हिसाब से ज़रूरी हेल्थकेयर सुविधाएं बनाने के लिए 22 करोड़ खर्च करने का फैसला किया है। ग्राउंड फ्लोर पर सिटी स्कैन और पोर्टेबल एक्स-रे सेवाएं दी जाएंगी, जबकि फर्स्ट फ्लोर पर सोनोग्राफी, पैथ लैब और सैंपल कलेक्शन की सुविधाएं दी जाएंगी। दूसरी मंज़िल पर जनरल वार्ड और एडमिनिस्ट्रेशन रूम होगा, तीसरी मंज़िल पर मैटरनिटी वार्ड, एनआईसीयू, डॉक्टर्स का वर्क रूम होगा, चौथी मंज़िल पर आईसीयू, प्री-पोस्ट ऑपरेशन थिएटर और डॉक्टर्स लाउंज होगा, और पाँचवीं मंज़िल पर नर्सों के रहने की जगह होगी। यह मल्टी-स्टोरी मॉडर्न हॉस्पिटल कुल 25,242 स्क्वायर फुट कंस्ट्रक्शन एरिया में बनाया जाएगा।

अक्षय की मां का रोल करने पर का पछतावा

साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म वक्त में शेफाली शाह ने 6 साल बड़े एक्टर अक्षय कुमार की मां का किरदार निभाया था, जिस पर एक्ट्रेस ने पछतावा जाहिर किया है। शेफाली ने बताया है कि अमिताभ बच्चन ने उनके पति और इस के डायरेक्टर विपुल शाह को शेफाली को कास्ट करने का सुझाव दिया था। हालांकि शेफाली के पति नहीं चाहते थे कि वो ये रोल करें। हाल ही में टाइम्स नाऊ को दिए इंटरव्यू में शेफाली से फिल्म वक्त में हुई उनकी कास्टिंग पर सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि क्या ये उनके करियर का सेटबैक था। इस पर शेफाली ने कहा- 'बिल्कुल'। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पति ने उनसे ये करवाया था। इस पर शेफाली ने कहा- 'नहीं, उन्होंने मुझसे कहा था कि ये मत करना। अमित जी (अमिताभ बच्चन) ने उन्हें सलाह दी थी कि आप शेफाली को इस रोल के लिए तैयार क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा था, नहीं, मुझे नहीं लगता कि उस पर जमेगा।'

आगे शेफाली ने कहा, 'एक दिन मैंने अपने बालों में पाउडर डाला और कहा कि देखो, मैं बूढ़ी और मैच्योर लग रही हूं। उन्होंने (विपुल शाह) ने कहा, मैंने तुमसे कहा था कि तुम ये मत करो। लेकिन मैंने कहा, नहीं मुझे करना है। मैंने अपनी ही कब्र खोदी।'

शेफाली शाह ने बातचीत में कहा है कि इस फिल्म के बाद एक अच्छे रोल के लिए उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा था। उन्होंने ये भी कहा कि ऐसी एक-दो फिल्मों के अलावा उन्हें अपने करियर की फिल्मों पर गर्व है, जिनमें गांधी माय फादर, द लास्ट लियर, वन्स अगेन, श्री ऑफ अस जैसी फिल्में भी शामिल हैं।

1.03 करोड़ वोटर्स में से 11 लाख से ज़्यादा के पास डुप्लीकेट रजिस्ट्रेशन

मुंबई. बीएमसी इलेक्शन डिपार्टमेंट ने कन्फर्म किया है कि मुंबई में कुल 1.03 करोड़ वोटर्स में से 11 लाख से ज़्यादा वोटर्स के पास डुप्लीकेट या ट्रिपल रजिस्ट्रेशन हैं। 20 नवंबर को, कॉर्पोरेशन ने आने वाले BMC इलेक्शन के लिए ड्राफ्ट वोटर्स लिस्ट पब्लिश की, जिनके जनवरी 2026 के बीच में होने की उम्मीद है। लोग 27 नवंबर तक अपनी आपत्तियां दे सकते हैं। बीएमसी इलेक्शन डिपार्टमेंट के एक सीनियर ऑफिसर ने कहा, ₹ड्राफ्ट वोटर लिस्ट स्टेट इलेक्शन कमीशन ने दी है, जिसमें कई रजिस्ट्रेशन वाले वोटर्स को 'स्टार मार्क' किया गया है।

गिनती करने पर डुप्लीकेट या ट्रिपल वोटर्स की कुल संख्या लगभग 11 लाख 1 हज़ार आती है। लोगों के सुझाव/आपत्ति के बाद फाइनल वोटर्स लिस्ट पब्लिश की जाएगी।₹ एसईसी ने लोकल बॉडीज़ इलेक्शन के लिए स्टेट असेंबली वोटर्स लिस्ट को अपनाया है, जिसकी कट ऑफ डेट 31 जुलाई, 2025 है। कुल डुप्लीकेट एंट्रीज़ में से, सबसे ज़्यादा 4.98 लाख वेस्टर्न सबर्ब्स में, 3.29 लाख ईस्टर्न सबर्ब्स में और 2.73 लाख आइलैंड सिटी में हैं। कुल 1.03 करोड़ वोटर्स में से 55 लाख पुरुष और 48 लाख महिलाएं हैं।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
उल्हास विकास NEWS LIVE
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
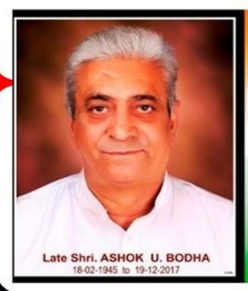
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

Staff Required
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT & For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT : MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099